मंदरिये में आके थारे संवारा

मंदरिये में आके थारे संवारा जाने को मन को न करे,
देवरइये में आके थारे संवारा जाने को मन को न करे

देशी घी को खानो बाबा धनो म्हाने भावे है,
खाने में बाबा म्हणे स्वाद घणो आवे है,
पेट भर जावे महारा संवारा पर मन म्हारो को न भरे,
मंदरिये में आके थारे संवारा जाने को मन को न करे,

ग्यारस ने बाबा थारी हाजरी बचावा हां सुभम रूपम के सागे भजन सुनावा हां,
जागा मैं तो सारी सारी रात पर सोने को मन क्यों न करे,
मंदरिये में आके थारे संवारा जाने को मन को न करे,

Source: https://www.bharattemples.com/mandariye-me-aake-thaare-sanwara/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw